NBT
नवभारत टाइम्स
By THE TIMES OF INDIA

Success Mantra: ठान लिया तो हिला नहीं सकते... अनिल अग्रवाल ने खान सर से शेयर किया कामयाबी का कौन सा सीक्रेट?

Curated by: अमित शुक्ला|नवभारतटाइम्स.कॉम•20 Nov 2025, 8:48 pm

वेदांता के चेयरमैन अनिल अग्रवाल और खान सर ने 'डेयर टू ड्रीम' में अपनी यात्रा साझा की। अनिल अग्रवाल ने शुरुआती असफलताएं बताईं, वहीं खान सर ने लॉकडाउन में 11 रुपये में पढ़ाकर 2.5 करोड़ छात्रों तक पहुंचने की बात कही। 2030 तक 30 करोड़ छात्रों को पढ़ाने का लक्ष्य है। अनिल अग्रवाल ने बिहार के युवाओं की सराहना की।

नई दिल्ली: वेदांता के चेयरमैन अनिल अग्रवाल और जाने-माने यूट्यूबर और शिक्षक खान सर ने 'डेयर टू ड्रीम' के नए एपिसोड में अपनी यात्रा के साथ भविष्य की योजनाओं पर खुलकर बात की है। अनिल अग्रवाल ने खान सर को इस बातचीत में बताया कि कैसे उन्होंने शुरुआती दौर में कई बार असफलता का सामना किया। लेकिन, हार नहीं मानी। खान सर ने भी बताया कि उन्होंने लॉकडाउन के दौरान सिर्फ 11 रुपये में छात्रों को पढ़ाया। अब वह 2.5 करोड़ छात्रों को पढ़ा रहे हैं। उनका लक्ष्य 2030 तक 30 करोड़ छात्रों तक पहुंचना है। अनिल अग्रवाल ने खान सर के इस काम की सराहना की।

अनिल अग्रवाल ने 'डेयर टू ड्रीम' के एक और एपिसोड के आने की घोषणा की। इसमें वह और फैजल खान उर्फ खान सर एक साथ दिखेंगे। उन्होंने खान सर के 2.5 करोड़ बच्चों को पढ़ाने की बात सुनकर हैरानी और खुशी जताई। उन्होंने कहा कि यह देखकर उन्हें खुशी हुई कि बिहार का युवा सही रास्ते पर है। उन्होंने यह भी

बताया कि खान सर को एक शिक्षक से हटकर एक अलग नजरिए से समझने का यह एक मजेदार अनुभव था।

कई बार फेल हुए तो मतलब है...

टीजर वीडियो में अनिल अग्रवाल अपने शुरुआती दिनों की शरारतों को याद करते हुए खान सर से कहते हैं, 'आप विश्वास नहीं करेंगे। इतना बदमाश थे। इतना हम लोग बदमाश थे।' इस पर खान सर बोले, 'शुरुआत जब की है तो आई थिंक कि आपके नौ बिजनेस फेल हुए।'

अनिल अग्रवाल ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, 'कई बार आप फेल होंगे इसका मतलब कि आप लंबे जाने वाले हैं।' उन्होंने बिहार की प्रकृति का जिक्र करते हुए कहा, 'बिहार है न। इसकी अपनी ही एक प्रकृति है। एक बार ठान लिया न फिर उसको आप नहीं हिला सकते हैं।'

शिक्षा के क्षेत्र में क्रांति लाने के लिए अनिल अग्रवाल ने खान सर की जमकर तारीख की। उन्होंने कहा, 'अमेरिका से पहले तो हमारे एक खान सर सोच लिए कि घर बैठे आप पढ़ सकते हैं। पढ़कर आप एग्जाम भी दे सकते हैं।'

खान सर ने बताया कैसे हुई शुरुआत?

लॉकडाउन के मुश्किल समय को याद करते हुए खान सर ने बताया, 'लॉकडाउन के टाइम पर तो ट्रेडिशनल एजुकेशन एकदम ही चेंज हो गई थी। तो उस समय जब हमने क्लासेस लिए थे तो केवल 11 रुपये में पढ़ाए थे।' उन्होंने अपनी वर्तमान उपलब्धि बताते हुए कहा, 'अभी हम लोग 2.5 करोड़ स्टूडेंट को पढ़ा रहे हैं।' भविष्य की योजनाओं पर बात करते हुए उन्होंने कहा, '2030 तक हम लोग का टारगेट है 30 करोड़ स्टूडेंट तक पहुंच जाना।'

अनिल अग्रवाल ने खान सर के बड़े लक्ष्य पर कहा, 'खान सर आपका एंबिशन हमारा भी एंबिशन था कि हमको भी कुछ बड़ा बनना है।' उन्होंने अपनी युवावस्था की एक मजेदार घटना का जिक्र किया जब किसी ने उनसे पूछा कि वह कौन हैं। उन्होंने जवाब दिया, 'तुम कौन हो? तो हम क्या बोले कौन हैं? तो हम बोले हम महाराजा कुमार हैं। महाराजा कुमार अनिल अग्रवाल हैं।' उन्होंने यह भी बताया कि उन्होंने कितना पैसा जुटाया, 'हम इतना रुपया उठा लिए। इतना रुपया उठा लिए कि आप सोच भी नहीं सकते।'